विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

www.vidarbhswabhiman.com 9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 22 से 28 मई 2025 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 48 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

कोई व्यक्ति किसी का विश्वास जीतकर अगर विश्वासघात करता है तो वह कभी भी संतुष्ट नहीं रह सकता है. विश्वास से बड़ी धन-दौलत कदापि नहीं हो सकती है. उसे प्रभु ऐसा दंड देते हैं कि वह प्रायश्चित करने के लायक भी नहीं रहता है. इसीलिए कभी किसी से घात नहीं करना.

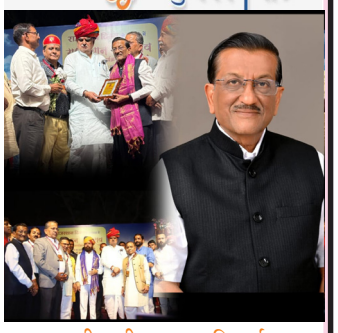

अमरावती की शान, विदर्भ स्तर के नेता और मानव-राष्ट्रधर्म को समर्पित समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया को जन्मदिन की मंगलमय शुभकामनाएं.

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

पाकिस्तान में किया गया था उसे प्रशिक्षित

आईएसआई की जासूस ज्योति मल्होत्रा से एक से बढ़कर एक चौकाने वाले हो रहे हैं खुलासे

नई दिल्ली-कभी नाहक की चाहत और बड़ा बनने की इच्छा किसी को कितना गिरा सकती है, इसका उदाहरण ज्योति मल्होत्रा के रूप में सामने आयी है. जिसकी इन दिनों पूरे देश में छी-थू हो रही है. उसके खिलाफ जांच एजें सियों की जांच में एक से बढ़कर एक चौकाने वाली सच्चाई आ रही है.पाकी खुफिया एजेंसी आईएसआई की जासूस बनकर काम करने वाली ज्योति मल्होत्रा को अरेस्ट करने के बाद से लगातार चौकाने वाले तथ्य आ रहे हैं.

हरियाणा के हिसार से गिरफ्तार की गई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को

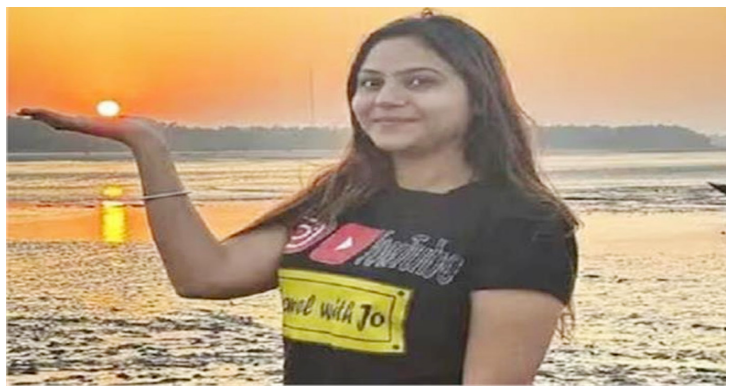

लेकर रोज़ चौंकाने वाले खुलासे सामने आ रहे हैं. ट्रैवल व्लॉगर के नाम पर देशभर की यात्रा कर रही ज्योति, असल में एक पाकिस्तानी जासूस के रूप में काम कर रही थी. जांच एजेंसियों के मुताबिक वह न सिर्फ संवेदनशील स्थानों की पहचान कर रही थी बल्कि हाई-क्वालिटी वीडियो और लाइव चैट्स के ज़रिए इन सूचनाओं को अपने पाकिस्तानी आकाओं तक पहुंचा रही थी.ज्योति को पाकिस्तान में बाकायदा प्रशिक्षित किया गया था.कैमरे का कोण, लोकेशन की पहचान, और वीडियो में क्या दिखाना है, सब कुछ स्क्रिप्टेड था. उसका कैमरा विशेष रूप से ऐसा था कि वह सेल्फी मोड में न होकर बैकग्राउंड की स्पष्टता पर केंद्रित रहता.ताकि बोर्ड, साइन और संवेदनशील ढांचे साफ नजर आएं.

कैसे करती थी डेटा ट्रांसफर?

वीडियो व्लॉग्स ज्यादातर आधे घंटे से ज़्यादा लंबे होते थे.शॉर्ट क्लिप्स एक मिनट की छोटी वीडियो जिसमें खास लोकेशन्स होती थीं.पाकिस्तानी जासूस ज्योति मल्होत्रा की कमाई जानकर हर व्यक्ती चौक सकता है. यही कारण है कि देशद्रोही ज्योति मल्होत्रा को कड़ी से **शेष पेज 2 पर**

एचसीबीएल को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसंस रद्द,ग्राहकों में चिंता

बैंक के पास न पूंजी, न नफा कमाने की संभावना

लखनऊ- वित्तीय कमजोरी, गड़बड़ी सहित अन्य कमियों के चलते रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने कठोर कदम उठाते हुए एचसीबीए कोॉऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है. इससे प्रदेश के सहकारिता क्षेत्र में जहां खलबली मच गई है.बैंक की खराब वित्तीय हालत और भविष्य की संभावनाओं के अभाव को देखते हुए उठाया है.भारतीय रिजर्व बैंक ने एचसीबीएल को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है. केंद्रीय बैंक ने यह सख्त कदम बैंक की खराब वित्तीय हालत और भविष्य की संभावनाओं के अभाव को ध्यान में रखते हुए उठाया है.

क्यों रद्द हुआ बैंक का लाइसेंस?

आरबीआई के मुताबिक, बैंक के पास न तो पर्याप्त पूंजी है और न ही मुनाफा कमाने की कोई ठोस संभावना. बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत जरूरी शर्तों को पूरा करने में विफल रहने के कारण इस पर रोक लगाई गई है. **शेष पेज 2 पर**

शुभेच्छुक-आनंद परिवार, बडनेरा, अमरावती.

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की 19वीं किश्त पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

प्रकृति को समझने का प्रयास तुरंत करें

इन्सान से भी जिस तेजी से बदलाव मौसम तथा पर्यावरण में हो रहा है, वह खतरनाक ही नहीं बल्कि यह सोचने के लिए विवश कर रहा है कि इंसान प्रकृति का कर्जदार रहने के बाद भी उसे समझने तैयार नहीं होने के कारण मौसम तथा पर्यावरण में तेजी से बदलाव आ रहा है. बेमौसमी बारिश, ओलावृष्टि, तेज आंधी सहित अन्य कई प्रसंग सवाल पैदा कर रहे हैं. पिछले पंद्रह दिनों से जिस तरह से जिले का माहौल हो रहा है, वह अपने आप में निश्चित तौर पर चिंता पैदा करने के साथ ही चिंतन क़रने वाला है. इस तरह के मौसम से जहां परेशानी वाला बन गया है, वहीं किसानों के लिए मौसम की तकलीफ बढ़ रही है. ऐसे में जरूरी है कि इंसान प्रकृति के महत्व को समझे. जिले में रविवार को हुई बेमौसमी बारिश ने लाखों रूपए का किसानों का नुकसान कर प्रभावित किया है.

मौसम पिछले 15 दिनों से अपनी लहर का असर करते हुए बेमौसमी बारिश ने रविवार के दिन अमरावती जिले की आदिवासी बहुत धारणी तहसील में जहां जमकर तांडव मचाया, वहीं दूसरी ओर वरूण तहसील में आंधी और तूफान से नीम का पेड़ गिरकर तीन-चार वाहन चपेट में आने से भारी नुकसान हुआ. पिछले 15 दिनों से मौसम की मार ने किसानों को बेजार कर दिया है. सरकार को किसानों की फसलों के हुए नुकसान का तत्काल सर्वेक्षण करते हुए आर्थिक मदद देने की पहल करनी चाहिए.

मौसम की मार ने किसानों के साथ ही अब तो आम लोगों को भी त्रस्त कर दिया है. रविवार को धारणी, चांदूर रेलवे, वरूड़ के साथ ही नांदगांव खंडेश्वर में भी बेमौसमी बारिश और तेज आंधी ने भारी नुकसान पहुंचाया. इससे सबसे अधिक नुकसान धारणी में हुआ है. यहां बड़ी संख्या में पेड़ जहां गिर गए, वहीं दूसरी ओर वरूड़ में गैरेज के क रीब नीम का बड़ा पेड़ गिरने से तीन गाड़ियों का नुकसान हुआ. नांदगांव खंडेश्वर में तीसरे दिन बेमौसमी बारिश से प्याज की फसलों सहित ग्रीष्मकालीन फसलों को व्यापक नुकसान हुआ.सबसे ज्यादा नुकसान प्याज की फसलों को हुआ है, जिसके कारण किसान फिर से आर्थिक संकट में आ गए हैं। नांदगांव शहर और तालुका के कई हिस्सों में गुरुवार से शनिवार तक तीन दिनों तक तूफानी हवाओं के साथ बारिश हुई, जिसमें शनिवार रात एक घंटे तक तेज हवाएं और गरज-चमक के साथ बारिश भी शामिल है. नांदगांव क्षेत्र में पौधरोपण के कारण कई खेतों में पानी जमा हो गया. प्याज की फसल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई. कुछ किसानों ने अपने प्याज खेतों से हटा लिए थे और खेतों पर लगे तिरपाल तेज हवा के कारण उड़ गए. बेमौसम बारिश से प्याज, बाग, तिल और सब्जियों समेत सभी ग्रीष्मकालीन फसलों को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ. किसानों ने तत्काल वित्तीय मदद देने की मांग की. शहर में रविवार को मौसम की मार ने सभी को त्रस्त कर दिया. तूफानी हवाओं के कारण खाबिया के घर के सामने, मुख्य बाजार और स्टेट बैंक के पास एक बड़ा पुराना पीपल का पेड़ तेज हवा और बारिश के कारण गिर गया.प्रकृति को संवारने का प्रयास करें.

हमारी उर्जा का सही उपयोग होना चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

ज़ीवन में सफलता उन्हें ही मिलती है जिनमें मेहनत, लगन और काम के प्रति समर्पण के साथ ही समय का महत्व समझने की सोच होती है. हर व्यक्ति का भाग्य तय करने का अधिकार प्रभु ने उसे ही दिया है. बचपन में जो लोग बहुत आराम करते हैं, बुढ़ापे में उन्हें निश्चित ही तकलीफ होती है. लेकिन बचपन में जो लोग समय का बेहतरीन उपयोग अपनी तरक्की के लिए करते हैं, अपनी उर्जा का सम्यक उपयोग करते हैं उन्हें इसका लाभ निश्चित तौर पर मिलता है. हमारे शास्त्र भी कर्म के महत्व से भरे हैं. श्रीरामचरितमानस में तो गोस्वामी तुलसीदासजी ने स्पष्ट कहा है कि कर्म प्रधान विश्व कर राखा, जो जस करे तो तस फल चाखा. भगवान श्रीकृष्ण ने श्रीमद् भागवत गीता में कर्मन्यवाधिकारस्ते के रूप में विश्व को यही संदेश दिया है. लेकिन आजकल मेहनत की छोड़कर हर बात की स्पर्धा की जाती है. रहन-सहन,खान-पान के साथ ही अन्य कई विषयों पर हम स्पर्धा करते हैं. जबकि स्पर्धा मानवता की सेवा, राष्ट्र सेवा, परिवार सेवा में की जानी चाहिए.

प्रभु ने हमें जो जीवन दिया है उस जीवन में हम बने तक यह प्रयास करें और कोशिश करें कि हम कितने लोगों के काम आ सकते हैं. हमारी ऊर्जा का सम्यक उपयोग किया जाना चाहिए. जब हम आत्मलोकन करते हैं तो हमारी खामियां ही हमें दिखाई देती हैं लेकिन हमें सदैव यह याद रखना चाहिए की प्रभु ने हमें जन्म दिया तो वहां जाने के बाद अगर वह पूछेगा तो हमें यह पता होना चाहिए कि जीवन मिलने के बाद हमने सेवा और आनंद का कौन सा अवसर गंवाया है. जीवन में हम कितने लोगों के काम में आए और कितने लोगों के आंसू पोंछने का ईमानदार प्रयास हमने किया है. जीवन में सदैव देने का भाव रखना चाहिए. जब हम देने का भाव रखते हैं तो हमारे मन में एक संतुष्टि निश्चित रूप से होती है. मनुष्य भव में मानव का जीवन मिलना भाग्य होता है. इसमें भी पवित्र भारत भूमि पर हमारा जन्म सद्भाग्य है और सौभाग्य से हमें संस्कार मिला है. जब हम निर्मल भाव से अपने कर्म को बेहतरीन तरीके से करने का प्रयास करते हैं तो निश्चित तौर पर प्रकृति या परमात्मा उसका फल हमें देता ही है. समाज सेवा तथा सेवा का भाव सदैव हमारे मन में होना चाहिए. समाज सेवा का भाव होना चाहिए,लेकिन इसे हमें जीवन में कभी भी अपनी आजीविका नहीं बनानी चाहिए.

समाज सेवा के भाव को अगर हमें आजीविका का माध्यम बनाना है तो इससे दूर ही रहना चाहिए. हमारे जीवन में नैतिकता तथा पारदर्शिता होना अत्यधिक जरूरी है. ईमानदारी से अपना कार्य करते हुए अगर हम पर किसी ने विश्वास किया है तो उस विश्वास को कायम रखने के लिए हमें हरसंभव प्रयास करने के साथ किसी का विश्वास कभी नहीं तोड़ना चाहिए. जीवन में हमें जो भी दायित्व सौंपा गया है, उस जिम्मेदारी को बेहतरीन तरीके से निभाना जरूरी मानना चाहिए.ज़ो लोग अपनों के नहीं होते हैं, वह दुनिया में किसी के नहीं होते हैं. किसी की निंदा से बचना चाहिए. क्यों कि यह जीवन में आपकी प्रतिमा को मलिन करती है. प्राप्त शरीर का त्याग ही मृत्यु होती है और नया शरीर ही हमारा जन्म होता है. निष्काम भाव से किया गया हमारा हर कार्य जहां पुण्य होता है वहीं स्वार्थ को केंद्र में रखते हुए किया गया कार्य निश्चित तौर पर अपना फल दिए बगैर नहीं रहता है.जो लोग मानव शरीर को परमार्थ में लगा देते हैं, वे कभी नहीं मरते हैं लेकिन जो स्वार्थ में जीते हैं, उनकी जीवन में ही मृत्यु होती है.

ग्राहकों को मिलेगी उनकी मेहनत की कमाई

पेज 1 से जारी- रिजर्व बैंक ने साफ कहा है कि एचसीबीएल का संचालन आगे जारी रखना ग्राहकों और जमाकर्ताओं के हित में नहीं है.

क्या होगा ग्राहकों के पैसों का?

लाइसेंस रद्द होने के साथ ही बैंक का सारा कामकाज ठप कर दिया गया है. अब ग्राहक न तो अपने खातों में पैसे जमा कर सकेंगे और न ही निकासी कर पाएंगे. हालांकि घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन के तहत 5 लाख रुपये तक की राशि बीमा कवर में सुरक्षित है.

बैंक के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 98.69फ़ीसदी खाताधारक अपनी पूरी जमा राशि प्राप्त करने के योग्य हैं. 31 जनवरी 2025 तक बैंक पहले ही ?21.24 करोड़ की बीमित राशि का भुगतान कर चुका है.रिजर्व बैंक ने उत्तर प्रदेश के को-ऑपरेटिव कमिश्नर और रजिस्ट्रार को निर्देश दिया है कि बैंक को पूरी तरह बंद कर दिया जाए और एक लिक्विडेटर (परिसमापक) नियुक्त किया जाए, जो बैंक की संपत्तियों और दायित्वों को निपटाएगा.यह पहली बार नहीं है जब आरबीआई ने किसी सहकारी बैंक पर कार्रवाई की हो. अप्रैल 2025 में भी अहमदाबाद के कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक, औरंगाबाद के अजंता अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक और जालंधर के इंपीरियल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के लाइसेंस रद्द किए गए थे. सहकारी बैंकों पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा गंभीरता से नजर रखी जाती है. बैंकों में थोड़ी भी गड़बड़ी मिलने पर बैंक द्वारा तत्काल कार्रवाई की जाती है. उत्तर प्रदेश में बैंक पर हुई कार्रवाई से अन्य सहकारी बैंकों में खलबली मच गई है. ग्राहकों का नुकसान नहीं होने की बात बैंक ने कही.

प्रयागराज तक की जानकारी दी थी

पेज 1 से जारी-की मांग की जा रही है. पाकी खुफिया एजेंसी के अधिकारी के साथ उसके संबंध थे. इतना ही नहीं तो उसकी हर महीने की कमाई लाखों में थी. अपने देश के नागरिकों की जरूरतों को पूरा करने में भी सदैव विफल रहने वाली सरकार द्वारा पाकिस्तानी जासूस ज्योति मल्होत्रा को महीने में लाखों रूपए दिए जाते हैं. जासूस ज्योति मल्होत्रा का पाक अधिकारी के साथ था संबंध, व्लॉग से इसका भी खुलासा हुआ है. भारतीय जांच एजेंसियों द्वारा की जा रही जांच में एक से बढ़कर एक खुलासा हो रहा है. लाइव चैट्स पर वह दर्शकों के सवालों के जवाब देती थी, जिनमें से कई पाकिस्तानी फॉलोअर्स थे जो उससे जानबूझकर खास जगहों की जानकारी पूछते थे. ज्योति ने 4 महीनों में 30 से अधिक शहरों की यात्रा की, जो किसी सामान्य ट्रैवल व्लॉगर के लिए असामान्य है. उसकी यात्रा की सूची में शामिल हैं:नागालैंड, गुवाहाटी, केरल, कश्मीर, प्रयागराज (कुंभ), बनारस, बिहार, उड़ीसा. इसके अलावा वह कई बार विदेश भी गई, खासकर पहलगाम हमले के बाद इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि उसकी यात्राएं पूरी तरह प्लान की गई थीं, और हर लोकेशन की एक रणनीतिक अहमियत थी.

क्या दिखाती थी ज्योति?

उसके व्लॉग्स में यात्राओं से ज्यादा सड़क मार्ग, पुल, सुरक्षा वाले रास्ते, और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर फोकस रहता था. प्रयागराज कुंभ यात्रा में उसने दिल्ली से प्रयागराज तक का रोड मैप, प्रमुख पुलों और भीड़भरे स्थलों को खासतौर पर हाईलाइट किया. इसी तरह, बनारस और घाटों की जानकारी भी विस्तार से दी गई. उसने प्रमुख शहरों के साथ ही इनके रणनीतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए बताती थी. जांच एजेंसियां उससे हर वह बात उगलवाने का प्रयास कर रही हैं, जो देश की सुरक्षा से गंभीरता के साथ जुड़ी है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

सेवा परमोधर्म के प्रतीक हैं हम सभी के लप्पीभैया

जन्मदिन 22 मई पर विशेष, माता-पिता भक्त के साथ हर सेवा काम में रहते हैं अग्रणी, अभी तक कई दर्जन पुरस्कार

ज़ीवन में कुछ ही लोग ऐसे निर्मल, मददगार, किसी के दुख-सुख में तत्काल सहभागी करने वाले होते हैं, जिनका व्यक्तित्व बहुत बड़ा रहता है लेकिन उनकी विनम्रता उनके व्यक्तित्व से बड़ी रहती है. मूर्ति लहान,कीर्ति महान वाले ऐसे ही लोगों में शामिल हैं शहर ही नहीं तो राजस्थानी समाज के देश की शान और राष्ट्रधर्म तथा मानव धर्म को जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य मानने वाले समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया. उनके व्यक्तित्व को किसी एक विधा में जोड़ना भी संभव नहीं है. बेहतरीन समाजसेवी, संवेदनशील व्यक्ति, माता-पिता के आदर्श बेटे, मधुसूदन ग्रुप के मुखिया, राज्य भूषण के साथ ही दर्जनों पुरस्कारों को हासिल करने के बाद भी पैर जमीन पर रहने और हर व्यक्ति को आत्मीयता प्रदान कर सुकून देने वाले लप्पीभैया का 22 मई को जन्मदिन है. इसे जन्मदिन की बजाय सेवादिन कहना अधिक प्रासंगिक होगा. हर अच्छे काम में आंख बंद कर मदद करने का उनका जज्बा लाखों लोगों के दिलों में उन्हें जगह देता है. विदर्भ स्वाभिमान की सकारात्मक पत्रकारिता को जीभर साथ देने और प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तित्व हैं.

धन का सही उपयोग जन की सेवा में ही रहने की बात को मानने वाले और उस पर ही अमल करने वाले समाजसेवी व्यक्ति के रूप में चंद्रकुमारउर्फ लप्पीभैया जाजोदिया हैं. स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक जहां उनका समाजसेवा का दायरा चलता हैं, वहीं वे जितने सम्पन्न व्यवसायी हैं, उससे भी कई गुना बेहतरीन संजीदा और भावनाओं को समझने वाले व्यक्ति हैं. आदिवासी बच्चों की स्कूल गोद लेना हो, गरीबों की मदद हो, किसानों की सहायता, गरीब बेटियों की मदद वे सदैव अग्रणी रहते हैं. यही कारण है कि लाखों मित्र परिवार उन्होंने तैयार किया है.

धनवान होना आसान है. लेकिन अपनी मेहनत की कमाई से सामाजिक कामों में योगदान देना बड़ी बात होती है.

अमरावती में अमीरों की कमी नहीं है. लेकिन सम्पन्नता में भी विनम्रता की जिस तरह की शालीनता राष्ट्रीय स्तर के दानशूर और समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया में है, वह आज के दौर में कम दिखाई देती है. माता-पिता की सेवा करनेवाले को किसी तीर्थ या धाम में जाने की जरुरत नहीं रहती है.उसकी इस सेवा से भगवान स्वयं ही खुश होते हैं और उसकी हर चाहत को पूरा करते हैं.भैया को अमरावती शहर को लेकर अपार गर्व रहता है.यही कारण है कि मुंबई में व्यवसाय स्थापित करने के बाद भी अमरावती से उनका अत्याधिक लगाव रहता है. भैया के मुताबिक शहर ने उन्हें बहुत कुछ दिया है, इसलिए उसे लौटाने का थोड़ा-बहुत प्रयास करते हैं. उनके कार्यालय में किसी मंत्री या सांसद की तरह ही भीड़ उनकी लोकप्रियता तथा सभी की मदद करने वाली दरियादिली की परिचायक है.

संतों का आशिर्वाद

जाजोदिया परिवार में धर्म,कर्म,साहित्य प्रेम की कड़ी उनके पिता स्व.मधूसूदनजी जाजोदिया के समय से ही चल रही है. संत-महात्माओं के आगमन से उनका घर सदैव पावन हुआ है. पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए संतों का आशिर्वाद सदैव मिलता है. ज्ञानशांति उपवन में बुर्जुग माता-पिता के लिए आयोजित सत्संग में पूज्य शिवगुरू शर्मा महाराज का आशिर्वाद लिया और धर्म पर चर्चा की. इस समय उनकी मुंहबोली बहन गौरी अय्यर और गणेश अय्यर भी उपस्थित थे. उनके मुताबिक हमारी सम्पन्नता का लाभ अगर हम किसी को दे सकते हैं तो इससे बड़ा पुण्य का काम और क्या हो सकता है.अपना स्वयं का अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि आज वे जो कुछ भी हैं, माता-पिता का आशिर्वाद है. बहुगुणी व्यक्तित्व लप्पीभैया को जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और शहर का सम्मान राष्ट्रीय स्तर पर अपने कार्यों से बढ़ाते रहें, प्रभु चरणों में यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

प्रभु श्रीराम भी पहुंचे हैं वेंकटाद्रि पर्वत

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

किश्त-19, विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

गतांक से जारी -पांडु सुतों के कुछ दिनों तक भक्तिपूर्वक वहाँ रहने के कारण उनके स्मरण में यहाँ के तीर्थ को पांडव तीर्थ कहा जाता है. उसके महत्व के बारे में सिर्फ क्षेत्र पालक ही जानता है.अन्य लोग कुछ भी नहीं जानते हैं.

जराहरादि तीर्थों की महिमा- इसके अतिरिक्त स्वामी पुष्करिणी की पूर्व दिशा में जराहर, लग्निम, रसायनम नामक तीन तीर्थों के साथ-साथ हरि के निवासयोग्य वैकुंठपर्वत की गुफा तथा अष्टलोह खान होंगी.इससे अलग स्वामी पुष्करिणी व्दविंशति शरपात दूरी पर माया तिरोहित शक्ति फैली रहती है.इसलिए वे सुधि जनों को ही दिखाई देते हैं. ऐसे महिमावान वेंकटाचल पर्वत पर लूले, शिखंडी, बधिर,नेत्रहीन निस्संतान, धनहीन लोग श्रध्दा -निष्ठा से हरि पर मन लगाकर, निस्संशय से विश्वास करने पर सारी आपदाएँ दूर होकर सुखी रहेंगे. इसके अतिरिक्त उस पर्वत पर युग भेद से अनेक विशेष कार्य होते रहते हैं.

वेंकटाद्रि युग युगों में कांतिमान होना-वेंकटाद्रि पर युग भेद से अनेक विशिष्ट कार्य होते रहते हैं.एक बार वह वेंकटाद्रि श्रीनिवास के कारण कांतिवान हुआ.एक बार कनकाद्रि के रूप में प्रकाशवान हुआ. एक बार ज्ञानसंयुक्त होकर दिखाई देता है.एक

बार मणि-स्पटिक रूप में दिखाई देता है.एक बार भूषणों के रूप में दिखाई देता है.एक बार कलियुग में लोगों को पाषणगिरि के रूप में दिखाई देता है. इसलिए आदिशेष भी वेंकटाद्रि की महिमा के बारे में बोल नहीं पाते हैं. सुधिजनों से सुनकर इतना कुछ मैं बता पाया हूँ. अन्यथा मुझसे भी संभव नहीं हो सकता. ऐसा सूत के बताने से सुनकर शौनकादि मुनियों ने कहा. वेंकटाद्रि की महिमा इतना कुछ सुनने पर भी तृप्ति नहीं हो रही है और सुनने की इच्छा हो रही है.इसलिए इसके माहात्म्य के बारे में बुजुर्गों ने जो कहा वे सब चित्र-विचित्रों के बारे में और भी बताइए. हे सूत !शौनकादि मुनियों के इस रूप में पूछने पर सूत ने कहा. जैमिनी मुनि व्दारा बतायी गयी राम कथा अब मैं आपको सुनाऊँगा. सावधानी से सुनिए. ऐसा कहकर सूत ने फिर बताना शुरू किया.

पूर्व में श्रीराम ने दशरथ के पुत्र के रूप में जन्म लेकर, विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा करके,शिव धनुष को तोड़कर सीता के साथ विवाह किया. परशुराम को युध्द में पराजित करके अयोध्या नगर पहुँच गए. माता सीता को रावण अपहरण करके लंका ले गया. तब राम भूपाल रावण को मारने के लिए सुग्रीव हनुमान आदि से मैत्री करके वेंकटाद्रि के पास पहुँच गए.अंजनादेवी ने श्री वेंकटाद्रि के ऊपर से वानरों के साथ आनेवाले श्रीराम को देखा. उस सोने के पहाड़ से उतरकर उनके सामने आयी. उन्होंने राम को प्रणाम किया. ये महान राम साक्षात विष्णु के अवतार हैं ऐसा मन में सोचा.अतिशय भक्ति से विनती की. उन्हें वहाँ पर प्रसन्न पाकर इस रूप में कहा. हे राम! सुकर्ति कामा! बहु राक्षस यूथ विराम! सग्दुण स्तोमा! दिनकर वंशज घन रामा दशास्य भीम आपकी महिमा का गायन आदि शेष भी नहीं कर पाता है.ऐसे में मैं कैसे कर पाऊँगी हे जगदीश्वर प्रणाम करती हुँ मेरा उध्दार करो इस वेंकटाद्रि पर मैं रहती हूँ . इसलिए मुझ पर दया करके वें कटाद्रि पर आप चले आइए. अंजनादेवी की इन बातों को सुन श्रीरामचंद्र ने कहा. वानर वीरों से शीघ्र ही बहुत दूर जाने की यात्रा है. कार्य पूरा होने के बाद मैं वें कटाद्रि पर अवश्य आऊँगा. हे देव आपके दर्शन के लिए वहाँ मुनिगण प्रतीक्षा कर रहे हैं. इसलिए उन्हें देखनेवहाँ पर आपको आना चाहिए. इस रूप में अंजना देवी के बुलाते समय हनुमान ने वहाँ पधार कर विनय से नमस्कार करके इस रूप में कहा. हे देव मेरी माता अंजनादेवी ने विनति की है. आप उनका सम्मान करके वहाँ पधारिए. वैसे सारे वानर थक गए हैं. आप उनका सम्मान करके वहाँ पधारिए. वैसे सारे वानर थक गए हैं. इस समय वेंकटाद्रि जाना ही अच्छा है. श्री अंजनाश्रम में सिध्द स्थलों के साथ-साथ फल वृक्ष अनेक है. कंद, मूलादि , पुण्यतीर्थजल वहाँ बहुत प्राप्त होंगे . इसलिए कुछ दिनों के लिए वहाँ रहकर बाद में जा सकते हैं.अंजनाद्रि बहुत दूर तो नहीं है. भगवान व्यंकटेश के पावन निवास से पवित्र हुआ पूरा क्षेत्र ही अद्भुत है. यहां की हर जगह भी अद्भुत और आत्मीक शांति देती है. **जय गोविंदा** **शेष आगे के अंक में**

यारों के यार हैं बहुगुणी नितिन भोरे

जन्मदिन 20 मई पर विशेष

यारों के यार,माता-पिता भक्त तथा बहुगुणी व्यक्तित्व के रूप में नितिन भोरे का उल्लेख किया जाता है. मिलनसार स्वभाव, शिवसेना के एकनिष्ठ कार्यकर्ता के साथ ही धार्मिकता से जहां वे ओतप्रोत हैं, वहीं दूसरी ओर उनके स्वभाव की खूबी किसी को भी प्रभावित करती है. उनका 20 मई को जन्मदिन था, इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, तपोनेश्वर महादेव के चरणों में यही कामना. नितिन भोरे जैसे युवाओं के कारण ही इस तरह की अच्छाईयों को प्रोत्साहित करने का मौका मिला है.

धीर-गंभीर चेहरे वाले नितिन भोरे शिवसेना के जहां समर्पित कार्यकर्ता हैं, वहीं जनता के कामों के लिए हर पार्टी के नेताओं से उनके करीबी संबंध हैं. यही कारण है कि विकास का काम हो, धार्मिक आयोजन में सहयोग हो अथवा किसी जरूरतमंद की मदद की बात हो, वे सदैव आगे रहते हैं. उनके 20 मई को जन्मदिन पर हजारों लोगों ने उन्हें शुभकामनाएं दी.यह उनकी लोकप्रियता का ही परिचायक कहना चाहिए. युवा समाजसेवी के रूप में क्षेत्र तथा शहर में भी नेक और अच्छे कामों में योगदान देने का प्रयास करते हैं.

अंबाविहार निवासी भोरे परिवार को बचपन से ही देखने और साथ रहने का मौका मिला. आदर्श परिवार के साथ ही तीनों भाईयों का प्रेम भी सराहनीय रहता है. पिता देवराव भोरे महाकाल के भक्त हैं, वहीं पूरा भोरे परिवार आदर्श, सेवाभावी

और भक्तीभाव से युक्त परिवार के रूप में पहचाना जाता है. नितिन भोरे बातचीत के दौरान बताते हैं कि माता-पिता के आदर्श संस्कारों , आचार-विचारों की छाप पूरे परिवार पर पड़ी है. यही कारण है कि शहर में आज आदर्श परिवार के रूप में भोरे परिवार की गणना होती है. उनके मुताबिक जितना संभव हो, हर व्यक्ति को अपने स्तर पर स्वयं के साथ ही समाज के लिए भी जीने का प्रयास करना चाहिए, ऐसा करने से मिलने वाली खुशी महत्वपूर्ण रहती है.

गड़गड़ेश्वर प्रभाग में सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षिक तथा धार्मिक कामों में भी नितिन भोरे का सदैव योगदान रहता है. यही कारण है कि उनके जन्मदिन पर वल्लभ नगर स्थित हनुमान मंदिर में रात में उनका सत्कार कर जन्मदिन पर शुभकामनाएं दी गई हैं. लोगों के इस प्यार को अपने लिए सबसे बड़ी पूंजी मानने वाले नितिन भोरे जितने बेहतरीन युवा समाजसेवी हैं, उससे भी बेहतरीन इन्सान हैं. किसी गरीब, जरूरतमंद की यथासंभव मदद करने के लिए तत्पर रहते हैं. उनका मानना है कि इन्सान को इन्सान के काम आना चाहिए. जरूरी नहीं है कि हम किसी की पैसों से ही मदद करें, किसी गरीब के लिए रक्तदान कर अथवा रक्त की व्यवस्था कर भी मदद की जा सकती है. किसी दिव्यांग को सड़क पार कराने अथवा बुजुर्ग को सड़क पार कराकर भी मदद की जा सकती है. जीवन में जो लोग मेहनत से डरते हैं, वे जीवन में कभी कामयाब नहीं हो सकते हैं.

बचपन से ही हमें जीवन का संघर्ष सिखाया जाता है. कहा जाता है कि जीवन में अगर कामयाबी प्राप्त करनी है तो लगन, जिद, मेहनत और जीवन का लक्ष्य तुम्हे ही तय करना है. इसके साथ ही जीवन में माता-पिता का आशिर्वाद और अपनों का साथ कामयाबी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.परिवार और माता-पिता को खुश रखने की बात वे कहते हैं.अगर सही नियोजन हो और सही तरीके से जीवन का सलीका प्राप्त हो जाए तो जिंदगी खुशनुमा बन जाती है.गरीबों की मदद हो अथवा अन्य कार्य सदैव अग्रणी रहते हैं.सामाजिक,धार्मिक, राजनीतिक मंच पर भी नितिन भाऊ सक्रिय रहते हैं.भोलेनाथ उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करें,यही कामना.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

नितिन देवरावजी भोरे

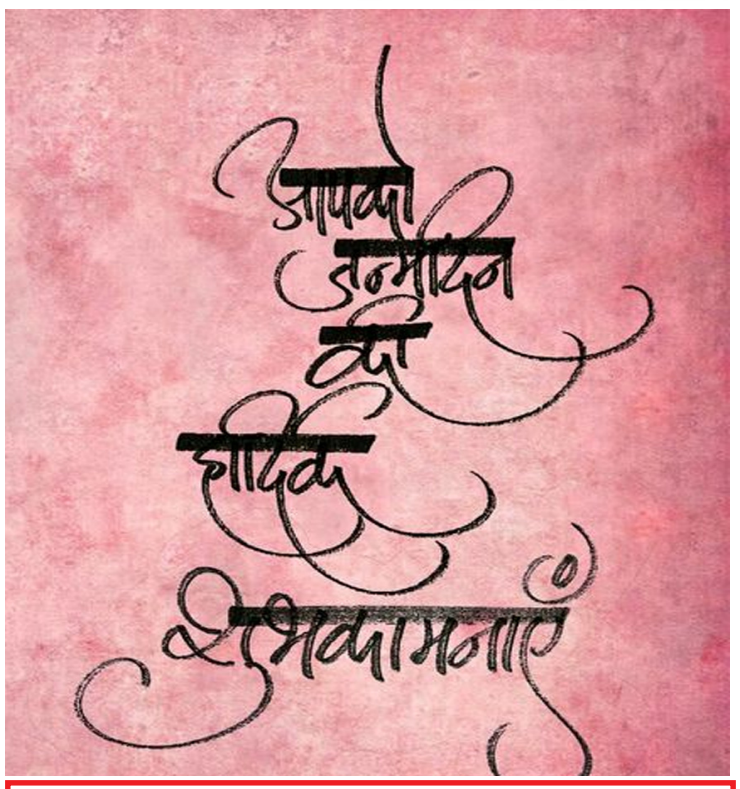

शुभेच्छुक- नितिन भोरे मित्र परिवार, शिवसेना के सभी पदाधिकारी तथा सहयोगी, अंबाविहार निवासी मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान

मन है साफ,सौ गुनाह माफ-लप्पीभैया

अमरावतीवासियों के साथ सभी का प्रेम बढ़ाता है मेरा संबल,अपार प्रेम से गदगद

अमरावती- कहते हैं कि जिनका दिल साफ होता है, उनके हजारों गुनाह माफ हो जाते हैं. जीवन में अगर प्रभु ने हमें सक्षम बनाया है तो हमें भी समाज के लिए सदैव करने का प्रयास करना चाहिए. निर्मल मन, अथक मेहनत और लगन का त्रिसूत्री ही जीवन में सफलता का सूत्र है. इसलिए मेहनत और किसी भी काम में जो लोग शर्म नहीं करते और हर काम को आनंद लेकर करते हैं, उनकी सभी चाहते पूरी होती हैं. इस आशय का मत विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत में समाजसेवी और दर्जनों राज्य से लेकर राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया ने किया है.

जन्मदिन के उपलक्ष्य में बातचीत में उन्हों ने मानव धर्म तथा राष्ट्र धर्म को सबसे बड़ा धर्म बताते हुए कहा कि हर भारतीय का पहला कर्तव्य यही होना चाहिए. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के डॉ. मोहन भागवत के आदर्श विचारों को जीवन का सिद्धांत मानने वाले लप्पीभैया ने कहा कि संघ द्वारा जिस तरह बिना किसी तरह का गाजाबाजा किए राष्ट्रीयता के काम किए जा रहे हैं, उससे उन्हें भी प्रेरणा मिलती है और आदिवासी क्षेत्रों में धर्मांतरण रोकने के साथ ही आदिवासियों , पिछड़ों , दलितों को शिक्षा के माध्यम से मुख्य धारा में लाने का प्रयास करते हैं. अमरावती शहर से अत्याधिक प्रेम के कारण स्वामी रामदेव के योग शिविर से लेकर कई राष्ट्रीय स्तर के कथाकारों की कथा रखवाते हुए संस्कारों को बढ़ावा देने का कार्य किया. समूचे विदर्भ में सुख्यात लप्पीभैया धार्मिकता के साथ ही कर्म पर भी उतना विश्वास रखते हैं. रोज किसी मंत्री से भी अधिक कार्यक्रमों में अतिथि का सौभाग्य उन्हें प्राप्त होता है. प्रजापिता ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सीता दीदी के साथ ही कई संत-महात्माओं के आशिर्वाद को अपने जीवन के लिए भाग्य की बात कहते हैं. अंतर्राष्ट्रीय कथाकार पंडित प्रदीप मिश्रा,शंकराचार्य राजेश्वर माऊली, देवकीनंदन ठाकुर, शक्तिपीठाधीश्वर शक्ती महाराज, सागर देशमुख, सीता दीदी,उज्जैन के पूज्य शिव गुरू शर्मा सहित सैकड़ों संत-महात्माओं के आशिर्वाद को अपना भाग्य मानते हैं. अपने जन्मदिन को सेवादिन बनाने के साथ हजारों जरूरतमंदों की मदद का सिलसिला शुरू करने को खुशी का माध्यम बताते हुए कहते हैं कि माता-पिता के आदर्श संस्कारों के साथ संवेदनशीलता के कारण उन्हें जल्द दया आती है. साथ ही वे कहते हैं कि मानवता का धर्म ही हमे जीवन में सदैव खुशियां और आत्मीक सुकून देता है. अमरावतीवासियों के प्रेम को सबसे बड़ी कमाई मानते हैं. साथ ही आखिरी सांस तक शहर तथा समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित रहने की बात कही.

ज़न्मदिन पर सत्कार पंकज-अतुल वैद्य बंधु अभिभूत

अमरावती- कहते हैं कि जिनका दिल साफ होता है, भगवान उनके साथ होते हैं. यही कारण है कि ऐसे व्यक्ति जीवन में सदैव आगे ही बढ़ते हैं. अंबाविहार निवासी और भवन निर्माण के क्षेत्र में अग्रणी वैद्य बंधुओं ने व्यवसाय में जहां आसमानी उंचाई छूई है, वहीं लोगों के दिलों में स्थान बनाया है. जन्मदिन 19 मई को विभिन्न मान्यवरों ने दिनभर उनका सत्कार, पुष्पगुच्छ का सिलसिला चला, वह निश्चित ही उनके कामों का प्रमाणपत्र है. हनुमान मंडल के राजेश सोलव, पाठक भाई, समाजसेवी राजेश बांगड, कोल्हे भाऊ के अलावा श्री केसरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था के अध्यक्ष मनोज चोरे के साथ ही अन्यों ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर उनका सत्कार किया. यह सत्कार का सिलसिला दिनभर चलता रहा. दोनों ही भाईयों ने लोगों के इस प्रेम को ही अपनी ताकत बताई. फोटो-विदर्भ स्वाभिमान.

शुभेच्छुक- लप्पीभैया मित्र परिवार,विदर्भ स्वाभिमान,अमरावती

ब्लॉक किराए से देना है

अकोली रोड स्थित छाया कॉलोनी में सभी सुविधायुक्त हॉल तथा किचन युक्त ब्लॉक किराए से देना है. इच्छुक निम्न मोबाइल पर संपर्क करें. छात्राओं को प्राथमिकता.

मोबाइल नंबर
9423426199,
8855019189

सामाजिक,धार्मिक कामों में समर्पित योद्धा हैं

संपन्नता में भी विनम्रता है खूबी

अमरावती शहर में धार्मिक,सामाजिक तथा विभिन्न सेवा कामों में अग्रणी व्यक्ति के रूप में समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया लोकप्रिय हैं. उनकी सम्पन्नता में भी विन्म्रता किसी को भी प्रभावित करती है. 22 मई को उनके जन्मदिन पर आनंद परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं. अमरावती में कई दिग्गज कथाकारों को लाकर धार्मिक विचारों का लाभ दिया, वहीं व्यवसाय के क्षेत्र में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. मानवता की सेवा को जहां ईश्वर सेवा मानते हैं, वहीं दूसरी ओर स्वभाव की विनम्रता के कारण हजारों मित्र परिवार तैयार किया है.

धन का सही उपयोग जन की सेवा में ही रहने की बात को मानने वाले और उस पर ही अमल करने वाले समाजसेवी व्यक्ति के रूप में चंद्रकुमारउर्फ लप्पीभैया जाजोदिया हैं. स्थानीय से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक जहां उनका समाजसेवा का दायरा चलता हैं, वहीं वे जितने सम्पन्न व्यवसायी हैं, उससे भी कई गुना बेहतरीन संजीदा और भावनाओं को समझने वाले व्यक्ति हैं. आदिवासी बच्चों की स्कूल गोद लेना हो, गरीबों की मदद हो, किसानों की सहायता, गरीब बेटियों की मदद वे सदैव अग्रणी रहते हैं. यही कारण है कि लाखों मित्र परिवार उन्होंने तैयार किया है. धनवान होना आसान है. लेकिन अपनी मेहनत की कमाई से सामाजिक कामों में योगदान देना बड़ी बात होती है. अमरावती में अमीरों की कमी नहीं है. लेकिन सम्पन्नता में भी विनम्रता की जिस तरह की शालीनता राष्ट्रीय स्तर के दानशूर और समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया में है, वह आज के दौर में कम दिखाई देती है. माता-पिता की सेवा करनेवाले को किसी तीर्थ या धाम में जाने की जरुरत नहीं रहती है. विभिन्न संस्कार शिविर, श्रीमद् भागवत कथा हो, इसमें उनका योगदान रहता है. स्वयं भी युवाओं को संस्कारित करने के लिए राज्यभर में 108 श्रीमद् भागवत कथाएं अपने खर्च पर करा रहे हैं. इसमें से 60 से अधिक कथाएं हो गई हैं. सामाजिक,धार्मिक के साथ ही राजनीतिक स्तर पर सभी के साथ उनके संबंध रहने तथा कई राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने के बाद भी उनकी विनम्रता,अपनापन, आत्मीयता किसी को भी प्रभावित करता है. अमरावती में आज उनके मधुसूदन ग्रुप के माध्यम से सैकड़ों युवाओं को रोजगार दिया गया है. स्वामी रामदेव बाबा के योग कक्षाओं को अमरावती में लाने और लोगों को स्वास्थ्य देने में उनका योगदान है. जन्मदिन पर मंगल कामनाएँ.

सुदर्शन गांग,
बडनेरा

शुभेच्छुक

मनोज चोरे, सुभाष दुबे व श्री केसरीनंदन बहुउद्देशीय संस्था के सभी पदाधिकारी, सदस्य.

विदर्भ स्वाभिमान
वार्ड संवाददाता चाहिए

अमरावती महानगर पालिका क्षेत्र में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है. वार्ड की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने का फैसला विदर्भ स्वाभिमान ने लिया है. ऐसे में वार्ड स्तर पर संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. समस्या की समझ के साथ ही समाजसेवा में रूचि रखने वाले युवा संपर्क कर सकते हैं. अपने क्षेत्र की समस्याएं आप भी जागरूक नागरिक के रूप में देकर प्रशासन तक पहुंचा सकते हैं. अपने क्षेत्र में मार्केटिंग के साथ ही विज्ञापन व्यवसाय के माध्यम से कमीशन के आधार पर कमाई भी कर सकते हैं.

संपर्क
छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती
मो. 9423426199/8855019189

महाराष्ट्र शासन
कार्यालय कार्यकारी अभियंता सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपुर

ई-मेल पत्ता - achalpur.co@mahapwd.gov.in दुरध्वनी / फैक्स क्रमांक - 07223220260

निविदा सुचना क्रमांक-10/निली/2025-2026

कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर दूरध्वनी क्रमांक, 07223 220260 हे राज्यपाल, महाराष्ट्र शासन हयांच्या वतीने खालील कामांचे ब-1 नमुन्यातील ऑफलाईन निविदा सार्वजनिक बांधकाम विभाग महाराष्ट्र शासनाकडील योग्य त्या वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून मागवित आहे. निविदा कागदपत्र शासनाच्या संकेतस्थळावर http://mahapwd.gov.in येथून डाऊनलोड करण्यात यावी. तसेच निविदा स्विकारण्याचा तसेच निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर यांनी राखून ठेवला आहे.

अ.क्र.	कामाचे नाव	अंदाजित किमत
1	मौजे धोतरखेडा ता. अचलपूर जि. अमरावती येथे खुल्या जागेवर सभागृह बांधकाम करणे.	802825.00
2	मौजे नागापूर ता. चिखलदरा जि. अमरावती येथे आदिवाशी आश्रमशाळेसमोर हनुमान मंदिराजवळ सिमेंट कॉंक्रिट रस्ता बांधकाम करणे,	84275100
3	मौजे नागापूर ता. चिखलदरा जि. अमरावती येथे नंदगोपाल राजने ते रवी बेलसरे यांचे घरापर्यंत सिमेंट कॉंक्रिट रस्ता बांधकाम करणे.	795288.00
4	मौजे नागापूर ता.चिखलदरा जि. अमरावती येथे जि.प. शाळेपासुन ते हनुमान मंदिर पर्यंत सिमेंट कॉंक्रिट रस्ता बांधकाम करणे.	842751.00
5	मौजे वडापाटी ता. चिखलदरा जि. अमरावती येथे जि.प.शाळा ते पाण्याची टाकी पर्यंत सिमेंट कॉंक्रिट रस्ता बांधकाम करणे.	795315.00
1	ऑफलाईन निविदा डाऊनलोड करण्याचा कालावधी	दि.22.05.2025 @ 10.00 वाजता ते 29.05.2025 17.00 वाजता
2	निविदा पूर्व बैठक स्थळ, दिनांक व वेळ	निरंक
3	निविदाकारांनी ऑफलाईन निविदा तयार करण्यासाठी (तांत्रिक व आर्थिक निविदा) हार्ड कॉपी सादर करण्याचा ठिकाण, दिनांक व वेळ	ऑफलाईन निविदा बावतची हार्ड कॉपी (तांत्रिक लिफाफा) सोलबंद लिफाफ्यामध्ये दि.02.06.2025 17.00 वाजतापर्यंत निवीदे नुसार कार्यालयात सादर करणे बंधनकारक आहे.
4	ऑफलाईन तांत्रिक व आर्थिक निविदा उघडण्याचे ठिकाण, दिनांक व वेळ	कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर यांचे कार्यालयात दि. 03.06.2025 ञ 10.00 ते 17.00 वाजेपर्यंत ऑफलाईन उघडण्यात येतील. (शक्य झाल्यास)

खालील संकेतस्थळावर ऑफलाईन निविदाची सर्व माहिती उपलब्ध आहे.
2) http://mahapwd.gov.in
(सदर निविदे सुचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास वरील वेबसाईटवरती कळविण्यात येईल.)
3) कार्यकारी अभियंता, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर कार्यालयातील सूचना फलक जावक क्रमांक 241 निली/2025-2026/दि.20/05/2025
कार्यकारी अभियंता यांचे कार्यालय, सार्वजनिक बांधकाम विभाग, अचलपूर

(प्रमोद बा. वानखडे)
कार्यकारी अभियंता
सार्वजनीक बांधकाम विभाग अचलपूर

जिमाका/अम. / जाहि/23/2025

शहर तथा लोगों के प्यार के लिए कृतज्ञ हैं

ज़न्मदिन पर शुभकामनाएं देने वालों के प्रति वैद्य बंधु ने जताई कृतज्ञता

अमरावती- जीवन में लोगों के प्रेम, अपनेपन के साथ ही दिखाए गए विश्वास ने ही सदैव रास्ता सुझाया है. मेहनत, लगन के साथ ही माता-पिता के आशिर्वाद के कारण ही कामयाबी मिली है. जन्मदिन पर जिन लोगों ने शुभकामनाएं दी हैं, उन सभी लोगों के प्रति दिल से हार्दिक आभार जताना अपना कर्तव्य समझता हूं. लोगों का यही प्यार, अपनापन सदैव कुछ नया करने की प्रेरणा देता है. इन शब्दों में श्री वैद्य ब्रदर्स, श्री वैद्य ट्रेडर्स और वैद्य हार्डवेयर के संचालक पंकज वैद्य और अतुल वैद्य ने सभी के प्रति कृतज्ञता जताई.

साथ ही लोगों के इस प्यार को याद रखने और यथासंभव समाज के लिए भी जो संभव हो करने का प्रयास करने की बात कही. उनके मुताबिक अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता है. लेकिन जब सभी एकसाथ मिलकर कुछ करने का प्रयास करते हैं तो कोई काम असंभव नहीं होता है. इस पर उनका पूरा विश्वास है. दोनों के मुताबिक संघर्षों के दिनों से लेकर आज तीनों भाईयों द्वारा की जाने वाली मेहनत और लगन के चलते बदले दिन में जिन लोगों का भी सदैव मार्गदर्शन, साथ और प्रोत्साहन मिला है, उनके प्रति कृ-तज्ञता जताई. जन्मदिन 18 मई को सुबह से लेकर रात तक हजारों लोगों ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए दोनों ही भाईयों के सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना की. वैद्य बंधु जितने सफल व्यवसायी हैं, उतने ही बेहतरीन इन्सान भी हैं. सामाजिक, धार्मिक कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं. हनुमान युवक मंडल, पार्वती नगर मित्र मंडल, मार्निंग ग्रुप के साथ ही अन्यों ने भी उन्हे शुभकामनाएं दी.

समाजसेवी, सेवाभावी रामेश्वर गग्गड का हुआ भावपूर्ण सत्कार

82 नेत्रहीनों को तिरुपति यात्रा कराने पर दी गई बधाई

विदर्भ स्वाभिमान, 21 मई

अमरावती - हाल ही में राजस्थानी हितकारक मंडल के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल एवं माहेश्वरी सामूहिक सेवा समिति के अध्यक्ष रामेश्वर गग्गड की संयुक्त संकल्पना के तहत 82 नेत्रहीन व्यक्तियों को श्री तिरुपति बालाजी धाम की यात्रा कराई गई. जिसमें संयोजक व सारथी की भूमिका सेवाभावी व्यक्तित्व रहनेवाले रामेश्वर गग्गड द्वारा निभाई गई. इस यात्रा के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद शहर के कई गणमान्यों ने रामेश्वर गग्गड का पुष्पगुच्छ देकर सत्कार किया. साथ ही उन्हें इस पुण्यकार्य के लिए बधाई दी. इस समय श्याम शर्मा (रक्तदान), वीरेंद्र शर्मा, संजय अग्रवाल व सुरेश राठी सहित अनेकों गणमान्य उपस्थित थे.

भगवान श्री व्यंकटेश बालाजी के अनन्य भक्त रहनेवाले रामेश्वर गग्गड के सत्कार की अगुवाई करते हुए श्याम शर्मा (रक्तदान) ने कहा कि, विभिन्न आयु वर्ग से वास्ता रखनेवाले 82 नेत्रहीन महिला व पुरुषों को अमरावती से श्री तिरुपति धाम तक लाने-ले जाने और यात्रा के दौरान उनके भोजन व निवास की व्यवस्था करने का काम बिलकुल भी आसान नहीं था. परंतु संभवतः स्वयं श्री गोविंदा ने इस पुण्य कार्य के लिए रामेश्वर गग्गड को चुना और उन्हें यह कार्य सफलतापूर्वक संपन्न कराने का अवसर भी दिया. जिसके चलते इस यात्रा में सहयोगी रहनेवाले सभी लोगों को 82 नेत्रहीनों की श्री तिरुपति धाम यात्रा का पुण्य लाभ प्राप्त हुआ. इसके साथ ही सभी उपस्थितों ने रामेश्वर गग्गड को भविष्य में इस तरह के पुण्य कार्य करने हेतु प्रेरणा मिलने की मंगलकामना की.

गुरूवार 22 से 28 मई 2025

मेष

ज़ीवन में सभी की भावनाएं समझते हुए काम करने का प्रयास करें. आपका कोई काम नहीं रूकेगा. सुख-सुविधा पर खर्च होने की संभावना है. किसी से नाहक विवाद करने से बचना श्रेयस्कर होगा. जीवन में सदैव ईमानदारी से कार्य करने का प्रयास लाभदायी होगा.

वृषभ

यह सप्तह आपके लिए काफी लाभदायी साबित होने वाला है. समझदारी और संयम का लाभ मिल सकता है. इनकी खासियत यह है कि ये बहुत जोशीले और जिद्दी स्वभाव वाले तथा अपमान बर्दाश्त नहीं करने वाले होते हैं.

मिथुन

छात्रों को थोड़ी भी मेहनत सफलता दिलाने में सफल हो सकती है. पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान दें. वाहन चलाने में गड़बड़ी भारी पड़ सकती है.

कर्क

यह सप्ताह आपके लिए नई उम्मीदों वाला हो सकता है. ऐसे में समझदारी से हर काम को निपटाने का प्रयास करें. दिखावा भारी पड़ सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर ध्यान दें.

कुंभ

सप्ताह में मान-सम्मान में वृद्धि हो सकती है. इसके साथ ही अपने काम पर समर्पण के साथ ध्यान देना होगा. स्वास्थ्य पर ध्यान देना आपके लिए हितकर होगा. नाहक के विवाद से बचें .

मीन

भगवान भोलेनाथ की कृपा बनी रहेगी. वाहन धीरे से चलाएं और नाहक के वाद-विवाद से बचना श्रेयस्कर होगा.स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे.

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें. कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

शहर ही नहीं बल्कि जिले के किसी अध्यात्मिक,सांस्कृतिक,धार्मिक अनुष्ठान,सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणी किसी भी जरूरतमंद शिक्षा,स्वास्थ्य,कन्या विवाह के लिए निःस्वार्थ भाव से सहयोग करने वाले उद्यमी, किंगमेकर

—शुभेच्छुक—

संजय भिवसरिया,रमेश जे. अग्रवाल, अमित अग्रवाल, संजय अग्रवाल(तलवेल), राजेश मित्तल,संजय नांगलिया,विजय बी.अग्रवाल (मामा),विजय रोहतास अग्रवाल,राजेश मोहनलाल अग्रवाल (गब्बर), सीए सुनील सलामपुरिया, गजेन्द्र केडिया, कैलाश मोतीलाल अग्रवाल, कैलाश एम.ककरानिया, संजय झुनझुनवाला, छेदीलाल मस्करा, मनीष धामोरिया, पंकज चौधरी, राकेश अग्रवाल, विनोद अग्रवाल (टाइटन), घनश्याम वर्मा, राजू चूड़ीवाला, सौ. सुधा वीरेन्द्र तिवारी, विनय तन्ना, संजय अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सुनील एम.अग्रवाल,डॉ. रवि खेतान, अवध अग्रवाल, पवन चूड़ीवाला, मुरली धामोरिया, सुनील केडिया,अनिल माधोगडिया,अनिल नरेडी,कमलकिशोर मालानी, प्रमोद भरतीया,सुदर्शन गांग, सीए रतन शर्मा,मुरारी अग्रवाल,नवरतन सोमानी, भरत तलड़ा, समित कलंत्री व समस्त मित्र परिवार, अमरावती.

लघुसर्वतोभद्र तप और वर्षीतप के तपस्वियों का पारणा महोत्सव मनाया

राष्ट्रसंत नम्रमुनि महाराज साहेब की पावन उपस्थिति

विदर्भ स्वाभिमान, 21 मई

अमरावती/मुंबई. त्याग और तपस्या जैन श्रावकों का आभूषण कहलाते हैं, और ऐसा ही एक कठिन तप 100 दिनों में 75 उपवास रूप श्री 'लघुसर्वतोभद्र महातप' की श्रेष्ठ आराधना कर धन्य बने कोलकाता निवासी देवानुप्रिय श्री विरलदीदी अमितभाई शाह का एवं वर्षीतप के आराधक श्री पथिकभाई शाह, श्री रोशनीबेन शाह, श्री अनीशाबेन शाह, श्री मिताबेन महेता, श्री विजयभाई महेता, श्री पास्लदीदी शेठ आदि के तप अनुमोदना और पारणा का अवसर पावनधाम के प्रांगण में राष्ट्रसंत परम गुरुदेव श्री नम्रमुनि महाराज साहेब के सानिध्य में, बोरीवली क्षेत्र के विधायक श्री संजयभाई उपाध्याय की विशेष उपस्थिति के साथ, कोलकाता के भाविकों और लाइव में उपस्थित हजारों भक्तों के तप.अनुमोदना के भावों के साथ मनाया गया.

लघुसर्वतोभद्र महातप के तपस्वी श्री विरलदीदी और उनके परिवारजनों ने परम गुरुदेव द्वारा उन पर किए गए अनंत उपकारों की भाव अभिव्यक्ति करते हुए कहा कि 'गुरुकृपा के बिना इस उग्र तप की आराधना पूर्ण करना असंभव था. कसौटियाँ आईं, लेकिन गुरुवर की कृपा का बल ही असंभव को संभव बना सकता है, यह हमने अनुभव कर लिया.' वर्षीतप की तपस्या पर यशकलगी समान आयम्बिल वर्षीतप के आराधक युवा तपस्वी श्री पथिकभाई ने केशलूंचन (बालों का त्याग) की आराधना कर स्वयं के मोह को कम करने के पुरुषार्थ को सभी ने अहोभाव से सराहा. इस पावन अवसर पर उपस्थित मुंबई बोरीवली के विधायक श्री संजयभाई उपाध्याय ने कहा कि 'परम गुरुदेव का मार्गदर्शन और कृपा सदैव मिलती रहे और देश सेवा के कार्य में मैं अधिक से अधिक योगदान दे सकूँ.' ऐसी सद्भावना व्यक्त की.दोपहर 4 बजे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र जी फडणवीस गुरुदेव के दर्शन के लिए पधारे. उन्होंने महाप्रभावक श्री उवसग्गहर स्तोत्र की साधना गुरुदेव के सानिध्य में की. पावनधाम में चल रहे बालकों के विशेष समर कैंप के अंतर्गत बच्चों ने परम महासतीजी द्वारा प्राप्त हुए बोधवचनों और प्रैक्टिकल सेशन्स से मिली प्रेरणा को अपने शब्दों में व्यक्त किया.

श्री जिगीषाबेन रांभिया के मधुर कंठ से तप.अनुमोदना के अवसर पर भक्तिभाव से जुड़कर सभी ने तप धर्म का जयजयकार करते ही पावनधाम गुंज उठा.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

दुग्धपूर्णा

गर्मी के दिनों में राजकमल चौक पर रात में क्यों रहता है मेला...क्यों कि यहां पर दुग्धपूर्णा का शेक मिलता है....एक बार अवश्य आजमा लें...

श्री बालाजी कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास – मो. ९९७५२७७१९९